Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2016 = 6.17, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.49366, MAR–APR, 2018, VOL- 5/44

दूर शिक्षा के विद्याथियों को इंटरनेट के विभिन्न आयामों की उपयोगिता

आदित्य चतुवदी[1], Ph. D. & श्रीमति वंदना चतुवदी[2]

[1]सहायक प्राध्यापक ,दूर शिक्षा निदेशालय,महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वधा

[2]सहायक प्राध्यापक,डिपाटमट ऑफ एजुकेशन,आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय,भोपाल

Abstract

वतमान म इंटरनेट एवं वल्डe वाइड वेब सामान्यकत: सभी के पास उपलब्ध. साधन है वतमान म अधिकतम काय पत्रों के द्वारा न होकर ई-मेल से किया जा रहा है। दूर शिक्षा म भी इन से अछूता नहीं है । आज इंटरनेट पर बहत से साधन उपलब्ध है जो दूर शिक्षा के अध्येताओं को अधिगम काय म सहयोग प्रदान करते है जैसे चचा समूह , ई-मेल, मेलिंग लिस्टं ,रिच साइड समरी (Rich Side Summary) RSS , वेव 2.0, ब्लॉग,विकीज,सोशल नेटवकिंग इत्यादि । दूर शिक्षा म अध्,यन अध्यापन काय म इनकी सहायता हम अध्येताओं को गुणवतापूण एवं रोचक शिक्षण सामग्री सरलतापूवक उपलब्ध करा सकते है । इलेक्ट्रा निक मेल (ई-मेल) ई-मेल इन्टधर नेट का एक उपयोगी और लोक प्रिय साधन है। मेलिंग लिस्टा व्यबक्तियों के नाम एवं उनके ई-मेल पता की सूची है जिसकी सहायता से हम किसी सामग्री को एक पूरे समूह को भेज सकते है। किसी एक विषय म रुचि रखने वालों की मेलिंग लिस्टो अलग होती है। ऑन लाइन चचा का ग्रुप या फोरम बनाया जा सकता है जिसे सीमित एवं सरचनात्म क ऑनलाइन पयावरण प्रदान किया जा सकता है। इसम अपने विचारों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान, अनुदेशक एवं छात्र तथा छात्र आपस म कर सकते है। आर.एस.एस आ रिच साइड समरी (Rich Side summary) या रिचली सिम्पतल सिंडिकेशन है। यह एक्सा.एम.एल (XML) दस्तातवेज का एक प्रकार है। जो मुख्य बिन्दुeओं और वेब पेज को साझा करने के लिए उपयोग म लाया जाता है। वेब 2.0 एक महत्वतपूण साधन है शिक्षण प्रक्रिया के लिए यह टू-वे द्विमार्गी (Two Way) प्रक्रिया है। इसम शिक्षक एवं छात्र दोनों अपना सहयोग दे सकते है पाठ को पढ़ाने एवं सुधार करने म यह एक सामूहिक तरीका है। ब्लाTग म आमतौर पर अपने व्यिक्तिगत विचार लिखे जाते है। कोई व्यपक्ति अपने ब्लाकग म क्या लिखे इसकी कोई सीमा नहीं होती। ब्लारग की सहायता हम अधिगम क्रिया को बड़ा सकते है । विकीज ऐसी वेबसाइट या पोटल जो कि प्रयोग करने वाले द्वारा सम्पा्दित या बनाई जा सके। इसम सामग्री को जोड़ा या हटाया भी जा सकता है। यह सामूहिक लेखन का अच्छा साधन है। सोशल नेटवकिंग ऐसा प्ले ट फाम जहाँ लोग एक दूसरे से मिल सकते है अपने विचार आदान-प्रदान कर सकते है बातचीत कर सकते है।विद्याथियों को इन सब का लाभ कैसे मिल सकता है,शिक्षा म इनका क्या महत्व- है? कैसे एक विद्याथी इनका उपयोग करें। इस सब पर हम चचा करें।

की वड *-ई-मेल, चचा समूह ,मेल सूची, आर.एस.एस, एक्स,.एम.एल.,वेव2.0 ,ब्लॉग, विकीज,सोशल नेट वकिंग*

इलेक्ट्रानिक मेल (ई-मेल) -ई-मेल इन्टर नेट का एक उपयोगी और लोक प्रिय साधन है। ई-मेल म कम्प्यूटर एवं नेटवक का उपयोग कर एक या अनेक व्यक्तियों से संपक किया जा सकता है। शिक्षक- छात्र एवं छात्र--छात्र के बीच संवाद स्थापित करने का एक मुख्य पहलु माना जाता है। दूर शिक्षा के विद्याथियों के लिए संवाद स्थापित करने के लिए उपयुक्त साधन है।

ई-मेल पता म तीन भाग होते है Userid@Host.domain adigov.chaturvedi@gmail.com

adiogov.chatuvedi – user id उपयोग कता की आई डी gmail-host of the email. account होस्ट ई-मेल का होस्ट Com-domain डोमेन

ई-मेल की विशेषताएँ -ई-मेल की मुख्य विशेषताएँ निम्नानुसार है –

- पाठ्य वस्तु आधारित होता है भाषा ज्ञान आवश्यक है।
- यह पाठ्य सामग्री एक बार म कई व्यक्तियों तक एक साथ पहँचायी जा सकती है।
- इसम समय एवं धन की बचत होती है।

ई-मेल को शैक्षिक उपयोग – ई-मेल के द्वारा ई लनिग सम्भव हो सकी है। कभी-कभी तो पूरा कोस ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध हो जाता है। ई-मेल के माध्यम से छात्र कभी भी किसी भी जगह से अपने शिक्षक एवं साथियों के सम्पक म आ सकते है और अपनी शैक्षिक समस्याओं को सुलझा सकते है इसलिए ई-मेल दूर शिक्षा के विद्याथियों के लिए बहत उपयोगी है। शिक्षक ई-

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

मेल के माध्यम से अपने पाठ विद्यार्थियों तक पहँच सकते है, विद्यार्थियों का चचा के लिए समूह बना सकते है। गृहकाय ,दत्तकाय ई-मेल से दे सकते है एवं उन्ह जाँच कर विद्यार्थियों को फोडबैक (प्रतिपुष्टि) भी दे सकते है।

मेलिंग लिस्ट – व्यक्तियों के नाम एवं उनके ई-मेल पता को सूची है जिसको सहायता से हम किसी सामग्री को एक पूरे समूह को भेज सकते है। किसी एक विषय म रुचि रखने वालों को मेलिंग लिस्ट अलग होती है। आप अपनी भी मेलिंग लिस्ट बना सकते हो, जिसम आप से जुड़े व्यक्ति या छात्रों के ई-मेल पत्ते होते है। वतमान म करीब 30,000 मेलिंग लिस्ट उपलब्ध है। आपको अपनी रुचि विषय के अनुसार मेलिंग लिस्ट चुनना पड़ेगी। मेलिंग लिस्ट को एक चचा के फोरम के रूप म भी उपयोग कर सकते है।

शैक्षिक दृष्टि से मेलिंग लिस्ट का उपयोग -शैक्षिक मेलिंग लिस्ट कक्षा स्तर से लेकर वैश्विक (ग्लोबल) स्तर काम करती है। एक शिक्षक अपने छात्रों से सम्पक करने के लिए एक मेलिंग लिस्ट बना सकता है। जिससे वह छात्रों को शीघ्रता से गृहकाय देने, कोई सूचना देने, कायक्रम के बदलाव के लिए सम्पक कर सकते है। विश्वविद्यालय या अन्य कोई संस्था विभिन्न प्रकार को मेलिंग लिस्ट बना सकते है ,जैसे -छात्रों को, शिक्षकों को, अशैक्षणिक सदस्यों को,विषय विषेज्ञयों को इत्यादि। जिनका उपयोग आवश्यकतानुसार सूचना देने म करते है।

चचा समूह – ऑन लाइन चचा का ग्रुप या फोरम बनाया जा सकता है जिसे सीमित एवं सरचनात्मक ऑनलाइन पयावरण प्रदान किया जा सकता है। इसम अपने विचारों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान, अनुदेशक एवं छात्र तथा छात्र आपस म कर सकते है। इसम अपनी सुविधा अनुसार विचार व्यक्त किये जा सकते है एवं कोई भी अन्य व्यक्ति अपनी सुविधा एवं उपयुक्त समय म पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया दे सकता है।इसम एक साथ एक समय म ऑन लाइन होने को आवश्यकता नहों है। दूर शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह बहत लाभदायक है वे अपनी सुविधानुसार इस म चचा कर सकते है सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकते है।

आर. एस. एस. फोड – आर.एस.एस का पूरा नाम रिच साइड समरी (Rich Side summary) या रिचली सिम्पल सिंडिकेशन है। यह एक्स.एम.एल (XML) दस्तावेज का एक प्रकार है। जो मुख्य बिन्दुओं और वेब पेज को साझा करने के लिए उपयोग म लाया जाता है। इसका उपयोग इन्टरनेट एवं वेबसाइट पर लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे आज लाखों लोग इसका उपयोग कर रह है। यह सभी बेवसाइट पर दाय तरफ आरज (नारंगी)रंग का एक चिन्ह होता है एक बार इसे सब्सक्राइब करने पर आपको अपने पसंदीदा साइट पर के नये अपडेट प्रतिदिन आपके मेल पर प्राप्त होते रहगे जिससे आप अपनी पसंद को सामग्री पढ़ते रहेग इससे आपको अपने विषय को सामग्री खोजने म समय खच नहों करना पड़ेगा।

आर.एस.एस फोड का उपयोग कैसे करे – आप अपने मोबाइल या लेपटाप पर आर.एस.एस फोड रीडर डाऊनलोड कर सकते ह । यह आपके फोन बैक गाउन्ड पर चलता रहेगा ओर जैसे ही उस साइड पर कोई अपडेट होगा आपको बता देगा।आपको जिस वेबसाइट के पोस्ट और उससे जुड़ी सामग्री के अपडेट चाहिए उस वेबसाइट को खोले। उस वेबसाइट पर सब्सक्राइव का ऑप्सन आएगा उस पर क्लिक कर। अब वहा पर अपनी ई-मेल आई डाल कर सब्सक्राइब करे। इसको मदद से जब भी कोई नयी पोस्ट आयेगी आपके पास तुरन्त मेल आ जायगा जिससे आप हमेशा अपडेट रहेगे।

आर. एस. एस. फोड के फायदे – अगर आपको अपने विषय को नई चीज पढ़ने या खोजने का शौक है तो यह आपके लिए बहत लाभदायक है। इससे आसानी से अपने विषय को जानकारी प्राप्त हो जायेगी ओर समय को भी बचत होगी।

आर.एस.एस. फोड का शिक्षा म उपयोग – विद्यार्थियों को अपने विषय को जानकारी से अपडेट होते रहना चाहिए और समय को भी बचत करनी चाहिए इसके लिए आर. एस. एस. फोड बहत अच्छा है एक बार अपने विषय को साइट सब्सक्राइब कर लेने पर उससे सम्बन्धित जानकारी आपको निरन्तर प्राप्त होती रहेगी। अथबास्का यूनिवरसिटी (Athabasca University) का दूर शिक्षा का कद्र अपने दूर शिक्षा के छात्रों के लिए, शिक्षा देते हेतु इसका प्रयोग बहत अच्छे से कर रहा ह भारत म भी इसका प्रयोग दूर शिक्षा के लिए किया जा सकता है।

वेब 2.0-हम सभी इस बात से सहमत है कि इन्टरनेट एवं वेब टेक्नालॉजी ने शिक्षको को पढ़ाने के तरीके म परिवतन किया है। वतमान छात्रों को सीखने के लिए ओर अधिक शैक्षिक अवसरों को आवश्यकता है जो हम आधुनिक तकनीकों से मिल सकते है। वतमान समय म बहत से साधन उपलब्ध है जिनका शिक्षक एवं छात्र अध्यापन काय म उपयोग कर सकते है। जैसे- ब्लाग, विकीज़, आर.एस.एस फीडस, वीडियो शेयरिंग, फोटो शेयरिंग, कम्प्यूटर गेम, ऐनीमेशन, ये सभी शिक्षण-अधिगम को आकषित बनाते है।

वेब 2.0 एक महत्त्वपूण साधन है शिक्षण प्रक्रिया के लिए यह टू-वे द्विमार्गी (Two Way) प्रक्रिया है। इसम शिक्षक एवं छात्र दोनों अपना सहयोग दे सकते है पाठ को पढ़ाने एवं सुधार करने म यह एक सामूहिक तरीका है। आज वेब का उपयोग करने वाला वेब को एक प्लेटफाम को तरह उपयोग म ला सकता है। वेब 2.0 कई प्रकार के काय करने म सहायक है जैसे – चित्रों का अदान-प्रदान, ई-मेल, ऑनलाइन जानकारी का सम्पादन एवं परिवतन आदि, उपयोगकता वेब पेज को पढ़ सकता है एवं उसम अपना सहयोग भी प्रदान कर सकता है। इस प्रकार हम कह सकते है कि उपयोग कता आज वेब पेज का मालिक बन गया है। वह अपनी सुविधा अनुसार एवं चुनाव के आधार पर वेव पेज पर सम्प्रत्य का निमाण कर सकता है। वह वेब पेज पर टेग एवं उसे रेट कर सकता है। आज सामाजिक परिपेक्ष्य म छात्र एवं समाज, सम्प्रत्य को,उद्देश्य एवं आवश्यकतानुसार निमाण कर सकता है। एक जैसे विचार रखने वाले छात्र इसके माध्यम से एक दूसरे के पास आ रहे है।

वेव 2.0 मुख्य सेवाय – वेव 2.0 कई प्रकार को सेवाय विभिन्न क्षेत्रों म उपलब्ध कराता है जैसे- सोशल नेट वकिंग, सहयोग, सम्प्रत्य का आदान-प्रदान (फोटो ,जानकारी, वीडियो इत्यादि के रूप म) ब्लाग, विकीज आर.एस.एस. फोल्ड, टेगग, मल्टीमीडिया, विकीज, शेयरिंग, आदि मुख्य सेवाय इस पर उपलब्ध है।

ब्लाग – ब्लाग एक व्यक्तिगत वेबसाइट है जो एक डायरी या जनल को तरह व्यवस्थित रहती है। प्रत्येक तारीख को उसम आपने क्या लिखा वह दिखाता है एवं जो आपने लिखा है वह वेव पेज पर तिथिक्रमानुसार दिखाता है। अत: आपने जो सबसे बाद म लिखा है उसे सबसे पहले दिखायेगा।

आमतौर पर ब्लाग म अपने व्यक्तिगत विचार लिखे जाते है। कोई व्यक्ति अपने ब्लाग म क्या लिखे इसको कोई सीमा नहीं होती। समान्यत: ब्लाग म व्यक्ति अपने कार्यों, शौक, सामाजिक एवं राजनैतिक विषयों, तात्कालिक समस्याओं पर लेख लिखते है।

ब्लाग का शिक्षा म उपयोग – ब्लाग शिक्षा के क्षेत्र म व्यापक रूप से लोकप्रिय है। www.edublogs.org पर 4000 से ज्यादा ब्लाग उपलब्ध है। शिक्षक, शिक्षण एवं अधिगम काय के लिए उस पर 2005 से काय कर रहे है। वर्षों के अनुभव के बाद उसम सामान्य समझ पैदा हो गई है। चूंकि ब्लाग आपस म जुड़े रहते है इसलिए शीघ्रता से अधिगम समुदाय विकास कर रहे है। ब्लॉग पर लेखक अपने विचारो का आदान-प्रदान करते है। एक दूसरे को सहायता, समीक्षा एवं प्रश्नों के उत्तर इन पर देते है। उदाहरण के लिए कैलगरी विश्वविद्यालय अधिगम समुदाय बनाने के लिए ब्लाग का उपयोग कर रहा है। दूर शिक्षा के छात्रों के लिए तो यह बहत उपयोगी है।

ब्लाग का सीखने म कैसे उपयोग कर –

सरल से प्रारंभ करे – शिक्षक सामान्य जानकारी प्रदत्त काय के विषय, जमा करने को तारीख, परामश सत्र को तारीख, कायशाला को समय सारणी, विषय इत्यादि ब्लॉग पर लिख सकते है ।

- **उदाहरण देकर** – शिक्षक ब्लाग किस प्रकार लिखे जाते है यह स्वयं ब्लाग लिखकर बताये वह विषय से जुड़े विभिन्न मुद्दो पर ब्लाग लिख सकता है।
- **पढ़ाना** – छात्रों को ब्लाग से जोड़ने के लिए पहले हम उन्ह ब्लाग पढ़ने को कहना पड़ेगा कि वह विभिन्न लोगो द्वारा लिख ब्लाग पढ़े।

- **प्रसंग का निमाण कर** – ब्लाग पर विषय से सम्बन्धित कोई नया प्रसंग का निमाण करे उस पर अपने विचार व्यक्त कर।
- **बातचीत को बढ़ावा दे** – एक दूसरे के ब्लाग को पढ़े एवं उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे जिससे विचारों का अदान-प्रदान होगा।

विकोज – ऐसी वेबसाइट या पोटल जो कि प्रयोग करने वाले द्वारा सम्पादित या बनाई जा सके। इसम सामग्री को जोड़ा या हटाया भी जा सकता है। यह सामूहिक लेखन का अच्छा साधन है।

विको शब्द हवाई भाषा सेलिया गया है जिसका अथ होता है जल्दी या तेज, सामान्य शब्दों म कहे तो विको सरल वेव पेज है। जिसम पुराने पेज भी रहते है। इसम कई साधन उपलब्ध होते है जिससे आप इसको सम्पादित कर सकते है।

विकोज के गुण एवं कमियाँ – यह एक संज्ञानात्मक साधन है। जो सीखने वालो को ज्ञान के निमाण म सक्रिय रूप से भाग लेने देता है। वह विश्व के समस्त क्षेत्रों के सीखने वालो को एक साथ पढ़ने एवं सीखने का अवसर प्रदान करता है। यह सभी के द्वारा सम्पादित हो सकने के कारण इसम दी गई जानकारी विश्वसनीय हो यह जरूरी नहों क्योंकि किसी को यदि गलत जानकारी है तो वह उसम गलत जानकारी जोड़ देता है।

विकोज को विशेषताएँ –

- इसे कोई भी मुफ्त म उपयोग म ले सकता है।
- अपने रुचि के विषय को पढ़ सकते है लिख सकते है एवं उसम सुधार कर सकते है।
- चूंकि कोई भी इसम सुधार कर सकता है। इसलिए यह सामग्री को गुणवत्ता बढ़ जाती है।
- उपयोग करने म सरल है।

सोशल नेटवकिंग – सोशल नेटवकिंग शब्द 2003 से सामान्य रूप से प्रयोग म लाया जा रहा है। ऐसा प्लेट फाम जहाँ लोग एक दूसरे से मिल सकते है अपने विचार आदान-प्रदान कर सकते है बातचीत कर सकते है। इसम फेसबुक व्हाट्सएप, माइस्पेश, सेकण्ड लाइफ, लिकेडीन प्रमुख है। इनके उपयोगकताओं को संख्या करोड़ो म पहँच गई है। प्रारंभ म सोशल नेट वकिंग अनौपचारिक शिक्षा के लिए प्रयोग म लाया जा रहा था परन्तु अब औपचारिक शिक्षा आमने-सामने दूर शिक्षा एवं मिश्रत शिक्षा म इसका उपयोग किया जा रहा है। दूर शिक्षा म इसके प्रयोग के लिए हम अपने विषय के छात्रों का ग्रुप बना सकते है जिस पर पाठ्यवस्तु, शिक्षण सामग्री का आदान-प्रदान समस्याओं के हल एवं आपसी चचा को जा सकती है। इस प्रकार छात्र दूर रहकर भी आमने-सामने (Face-to-Face) शिक्षा का आनंद ले सकते है।

9.सारांश

दूर शिक्षा म इंटरनेट ने के विभिन्न आयामों ई-मेल चचा समूह, आर.आर.एस. फोल्ड, वेव 2.0, ब्लाग, विकोज, सोशल नेटवकिंग, का उपयोग करके हम दूर शिक्षा के विद्याथियों को आमने-सामने को शिक्षा जैसा वातावण दे सकते है उनको समस्याओं को हल कर सकते है और दूर शिक्षा को और अधिक संमृद्ध एवं रूचिकर बना सकते ह ।

संदभ ग्रंथ -